भजन

तर्ज–तेरे नाम के सिवा कुछ याद नहीं

जो प्रीतम की प्यारी रहे,वो चौदे तबक से न्यारी
एक धनी को याद रखे,भूले दुनियां सारी
उसे पिया के सिवा कुछ याद नहीं

1– पिया पिया करती रहती है,वो तो दिन और रैना
पिया का मिले दीदार,तरसते रहते उसके नैना
एक झलक मिल जाए पिया की,और नहीं कुछ चाहना
उसे पिया....

2–पिया के इश्क के एक जाम को,रहती वोतो तरसती
जब वो पिलायें जाम नजर से,नहीं उतरती मस्ती
उसी जाम की मस्ती में,वो खो जाती हैं इतना
उसे पिया....

3–अर्ज करे अंगना इतनी,सदा इश्क में गर्क ही रखना
जी न सकेगीं कभी भी,उसको चरणों से दूर न करना
निसवत आपसे मेरी प्रीतम,हम हैं तेरे सहारे
खिलवत में पिया अब तो उठा लो,तुम ही प्राण हमारे
उसे पिया....